अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान वर्ष : 2018 **दिनांक : 21-12-2018**

समय : 3 घंटा **प्रथम वर्ष-द्वितीय- प्रश्न पत्र** **पूर्णांक : 100**

जैन तत्त्व विद्या-50

प्र. 1 किन्हीं पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दीजिए। 15

(क) बादर निगोद के जीव किस राशि के अंतर्गत आते हैं?

(ख) आयत संस्थान के लिए जैन शास्त्र में दूसरा शब्द क्या आता है?

(ग) किसकी अनुपस्थिति में धारणा व्यवहार का उपयोग किया जाता है?

(घ) निश्चय नय का विषय क्या है?

(ङ) विनय के दो अर्थ कौन-कौन से हैं?

(च) ज्ञान के अभाव में गलत तत्त्व को पकड़कर बैठना कौन सा मिथ्यात्व है?

(छ) कौन से चारित्र छठे से नवमें गुणस्थान तक होते हैं?

(ज) क्रिया के पांच प्रकारों में कायिकी का तात्पर्य क्या है?

(झ) कर्म बंधन में कौन से दो तत्त्व काम करते हैं?

(ञ) ओज आहार का ग्रहण जीव किस समय करता है?

(ट) कौन से गुणस्थानों को अमर माना गया है?

(ठ) किन गुणस्थान के जीवों को छद्मस्थ वीतराग कहते हैं?

(ड) सादि संस्थान किसे कहते हैं?

(ढ) किसी व्यक्ति पर अनुग्रह या निग्रह करने के लिए शरीर का विस्फोट करना कौन सा समुद्घात है?

(ण) केवली समुद्घात किस समय होता है?

(त) पर्याय के दो प्रकार में स्वभाव पर्याय का क्या अर्थ है?

(थ) निक्षेप का क्या अर्थ है?

प्र. 2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें। 15

(क) श्रमण धर्म के प्रथम पांच प्रकार का वर्णन करें।

(ख) ज्ञान किसे कहते हैं? ज्ञान का संक्षिप्त वर्णन करते हुए उसके आचार की व्याख्या करें।

(ग) आहार किसे कहते हैं? केवल आहार का वर्णन करें।

(घ) प्राग अभाव व प्रध्वंस अभाव की व्याख्या करें।

(ङ) संग्रह नय से आप क्या समझते हैं? व्याख्या करें।

प्र. 3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखें। 20

(क) कारण के दो प्रकारों की विस्तृत व्याख्या करें।

(ख) कर्मबंध के चार प्रकारों की विस्तृत व्याख्या करें।

(ग) मरण के प्रकारों का वर्णन करें।

(घ) दर्शन के आचारों का वर्णन करें।

तत्त्व चर्चा30

प्र. 4 किन्हीं दस प्रश्नों का उत्तर एक या दो वाक्य में दीजिए। 10

(क) धूप छांह छह में कौन? नौ में कौन?

(ख) दया छह में कौन? नौ में कौन?

(ग) काल आदि अंतिम तीन द्रव्य एक या अनेक?

(घ) बंध जीव या अजीव?

(ङ) पुण्य हेय या उपादेय?

(च) पाप छह में कौन? नौ में कौन?

(छ) अर्धम और धर्मास्ति एक या दो?

(ज) पुण्य धर्म या अधर्म?

(झ) धर्मास्ति और अधर्मास्ति एक या दो?

(ञ) धर्म छह में कौन? नौ में कौन?

(ट) जीवास्तिकाय चोर या साहूकार?

(ठ) सामायिक छह में कौन? नौ में कौन?

प्र. 5 कोई चार चर्चा लिखें। 20

(क) नौ तत्त्व पर सावद्य निरवद्य?

(ख) पुण्य धर्म आदि एक या दो?

(ग) कर्म पर छह द्रव्य नौ तत्त्व

(घ) नौ तत्त्व पर आज्ञा-अनाज्ञा

(ङ) कर्म पर चर्चा

(च) छह द्रव्य पर चर्चा

गीतिका20

प्र. 6 कोई तीन पद्य अर्थ सहित पूर्ण करें। 16

(क) सायंधारी.....थाई रे।

(ख) हाड़ मिंजा.....अवतार।

(ग) देव गुरु.....रो भर्म।

(घ) आश्रव बाला.....चतुराई रे।

(ङ) पाप धर्म.....लड़ाई रे।

प्र. 7 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें 5

(क) नौ पदार्थों में से यदि एक पर भी विपरीत श्रद्धा है तो वह प्राणी मूलतः क्या है?

(ख) जहाँ ज्ञान दर्शन चारित्र तप नहीं है वहाँ.....का अंश भी नहीं है।

(ग) सावद्य और निरवद्य कार्यों से क्या होता है?

(घ) सम्यक्त्व की प्राप्ति कैसे होती है?

(ङ) 'दृढ़ समकित धर थोड़ला' में मोक्ष के मार्ग कौन से बताए गए हैं?

(च) जिसके अन्तर में.....रूपी सूर्य उदित हो गया है, उसकी आत्मा प्रकाशित हो गई है।

(छ) संक्षेप नय व विस्तार नय की दृष्टि से कितने तत्त्वों व द्रव्यों का निरूपण किया गया है?